भक्ति संगीत संध्या: मथुरा की महिला कलाकारों ने झांकियों से कराया वृंदावन का अहसास

ब्रज रत्न वंदनाश्री ने दो घंटे भजनों की प्रस्तुति देकर जमकर बटौरी तालियां

भक्ति संगीत संध्या में राधा-कृष्ण व गोपियों की संजीव चित्रण से कलाकार रास रचाते हुए।

न्यूज सर्विस/ नवज्योति, बांदीकुई। जिला स्थापना दिवस के अवसर पर नगर पालिका के सहयोग से उपखंड प्रशासन की ओर से रेलवे गांधी ग्रांउड में आयोजित भक्ति संगीत संध्या में वन्दनाश्री ब्रज मथुरा की महिला कलाकारों ने भगवान राधा-कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का सजीव चित्रण कर वातारण को भक्ति रस से सरोबार कर दिया। भक्ति भजन गायिका संगीत नाटक एकादमी से सम्मानित ब्रज रत्न वन्दनाश्री ने करीब दो घंटे एक से बढ़कर एक भक्ति रचनाएं प्रस्तुत कर पांडाल में मौजूद महिला और पुरुषों को भक्ति रस में डुबोकर श्री राधा-कृष्ण में लीन कर जमकर ठुमके लगवाए।

रविवार रात करीब साढे नौ बजे शुरू हुए भक्ति संगीत संध्या में वंदना श्री ब्रज मथुरा के कलाकारों ने सजीव राधा-कृष्ण व गोपियों की झांकियों के माध्यम से मंच पर वृंदावन की तस्वीर खींचकर रख दी।

भजन गायिक वन्दना श्री द्वारा प्रस्तुत भजन-मेरो कान्हा गुलाब को फूल के साथ राधा-कृष्ण व गोपियों के मंच पर उतरते ही ऐसा प्रतीत हुआ मानों साक्षात योगेश्वर कृष्ण गो-लोक छोड़ बांदीकुई खेल नगरी की सरजमी पर अवतरित हो गए हों। भक्ति रस में सरोबार श्रद्धालुओं के भारी उत्साह के चलते वन्दनाश्री ने अपने सुरों के माध्यम से यमुना की महत्वता को प्रदर्शित कर संपूर्ण वातावरण को श्री राधा-कृष्णमय कर दिया। सुरों की भक्तिमय सरगम में भजन गायिका वन्दनाश्री की ओर से लगातार दो घंटे तक एकाग्रचीत होकर प्रस्तुत किए गए भजनो के दौरान वो कभी कृष्ण प्यारी राधा तो कभी कृष्ण दिवानी मीरा के रूप में दिखाई दी।

कार्यक्रम में मयूर लीला के अंतर्गत कान्हा की मोर बनकर उभरी गापियों की मंच पर प्रस्तुति देख अनेक वृद्ध दर्शकों की आंखों से अश्क झलक पड़े। भक्तिरस में सराबोर अतिथि भगवान कृष्ण की लीला को निहारते रहे। कान्हा मोर बन आयो कान्हा राधे को रिझाये गीत की मनोहारी प्रस्तुति पर वंदनाश्री ने जमकर तालियां बटौरी।

भक्ति संगीत संध्या में ब्रज की होरी की अनोखी अलोंकिक छटा देखने को मिली ।बांदीकुई की सरजमी पर गोपीकाएं और राधा रानी के साथ भगवान कृष्ण के साथ होली खेलने के लिए पांडाल में उपस्थित महिला और पुरुषों में होड़ मच गई और संपूर्ण पंडाल में जयघोष से गुंजायमान हो गया। वन्दनाश्री के होरी के अनोखे अंदाज में रसिया गीत आज ब्रज में होली रे रसिया पर महिला और पुरुष अपने अपने स्थान पर ठुमके लगाने से नहीं चूके। कार्यक्रम में दर्शकों की मांग के अनुरूप खाटू नरेश के दिव्य भजनामृत भी वन्दना श्री की ओर से प्रस्तुत किए गए। फूलों की होली से संपूर्ण पांडाल गुलाब व अन्य फूलो से सरोबार हो गया। फूलो की होली की मनमोहक प्रस्तुति के बाद वन्दना श्री द्वारा रघुपति राघव राजाराम,पतित पावन सीताराम भजन की भी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम के अंत में एसडीएम नीरज कुमार मीना,नगर पालिका अध्यक्ष इन्द्रा बैरवा,उपाध्यक्ष ईओ नरसीराम मीना,पंडित अम्बीकेश्वर शर्मा ने कलाकारो का माल्यापर्ण कर पुरूस्कृत करते हुए अतिथि ने प्रस्तुत कार्यक्रम की तहदिल से प्रंशसा करते हुए वन्दनाश्री और उनकी पूरी टीम का शॉल एवं पुष्प गु छो के साथ स्वागत अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन दीपक शर्मा निर्देशक ब्रज लोक संस्कृति एवं सेवा संस्थान मथुरा द्वारा किया गया।